M.A.- I (Pali & Prakrit) (CBCS Pattern) Semester - II

MAPPCBCS202 - Pitkettar Sahitya-II

P. Pages : 4 **GUG/S/23/10356**

Time : Three Hours * 0 7 7 7 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अभिसमाचारे ति उत्तमसमाचारो। अभिसमाचारो एवं अभिसमाचारिकं। अभिसमाचारं वा आरब्भ पञ्ञत्तं अभिसमाचारिक, आजीवट्ठमकतो अवसेससीलस्सेतं अधिवचनं। मग्ग ब्रह्मचरियस्स आदिभावभूतं ति आदिब्रह्मचरियकं आजीवट्ठमकसीलस्सेतं अधिवचनं। तं हि मग्गस्स आदिभावभूतं पुब्बभागो येव परिसोधेतब्बतो तेनाह - 'पुब्बे व खो पनस्स कायकम्पं वचीकम्मं आजीवो सुपरिसुध्दो होती" ति। यानि वा सिक्खापदानि, "खुद्दानुखुद्दकानि" ति वुत्तानि, इदं आभिसमाचारिकसीलं सेसं आदिब्रह्मचरियकं। उभतो विभङ्गपरियापन्नं वा आदिब्रह्मचरियकं। खन्धकवत्तपरियापन्नं अभिसमाचरिकं तस्स सम्पत्तिया आदिब्रह्मचरियकं सम्पज्जति। तेनेवाह "सो वत भिक्खवे, भिक्खु आभिसमाचारिकं धम्म अपरिपूरेत्वा आदिब्रह्मचरियकं धम्म परिपूरेस्सती ति नेतं ठाणं विज्जति" ति।

किंवा / अथवा

सीले पतिट्ठाय नरो सपञ्ञो, चित्तं पञ्ञं च भावयं।
आतापी निपको भिक्खु, सो इमं विजय्ये जटं॥
अन्तो जटा बहि जटा जटाय जटिता पजा।
तं तं गोतम पुच्छामि, को इमं विजय्हे जटं॥
इमिस्सा दानि गाथाय कथिताय महेसिना।
वण्णयन्तो यथाभूतं, अत्थं सीलादिभेदनं॥
सुदुल्लभं लभित्वानं, पब्बज्जं जिनसासने।
सीलादिसङ्गहं खेमं, उजुं मग्गं विशुध्दिया॥

ब) पालि साहित्यात अनुपिटक साहित्याचे स्थान व महत्त्वं सांगा. **6**
पालि साहित्य में अनुपिटक साहित्य का स्थान एवं महत्त्वं बताईए।

किंवा / अथवा

शीलाचे प्रकार सांगून महत्त्वं स्पष्ट करा.
शीलका प्रकार बताकर महत्त्वं स्पष्ट कीजिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो मिलिन्दो राजा येनायस्मा नागसेनो तेनुपसङमि। उपसम्पमित्वा आयस्मता नागसेनेन सध्दिं सम्मोदि। सम्मोदनीयं कथं सारणीयं वीतिसारेत्वां एकमन्तं निसीदि। आयस्मापि खो नागसेनो पटिसम्मोदनीयेनेव मिलिन्दस्स रञ्ञो चित्तं आराधेसि। अथ खो मिलिन्दो राजा आयमन्तं नागसेनं एतदवोचं - "कथं भदन्तो ञायतिकिनामोसि भन्ते' ति? 'नागसेनो ति खो अहं, महाराज यायामि। 'नागसेनो ति खो मं, महाराज सब्रह्मचारी समुदाचरन्ति। अपि च मातापितरो नामं करोन्ति "नागसेनो ति वा" सूरसेनो ति वा वीरसेनो ति वा सीहसेनो ' ति वा। अपि च खो, महाराज, संखा समञ्ञा पञ्ञति वोहारो नाममत्तं यदिदं नागसेनो' ति। न हेत्थ पुग्गलो उपलब्भती' ति।

किंवा / अथवा

यथा महाराज, कलन्दको पटिसत्तुम्हि ओपतन्ते नटगुट्ठ महन्त कत्वा तेनेव नङ्गुट्ठलगुळेन पटिसुत्तु पहिपाहति, एवमेव खो, महाराज, योगिना योगावचखेन किलेंस सतुम्हि ओपतन्ते सतिपट्ठानलगुळं पफ्फोटेत्वा महन्त कत्वा तेनेव सतिपट्ठानलगुळेंन सब्बकिलेसा पटिबाहित्वा। इदं, महाराज कलन्कस्स एकं अङग गहेतब्बं। भासितं पेतं, महाराज येरेन चुल्लपन्थकेन -

यदा किलेसा ओपतन्ति, सामञ्ञगुणधंसना।
सतिपट्ठानलकुटेन, हन्तब्बा ते पुनपुनं ति॥

ब) "अनन्तकाय पञ्हो" विषयी लिहा. **6**

"अनन्तकाय पञ्हो" संदर्भ में लिखिए।

किंवा / अथवा

खारीच्या एका गुणाचे वर्णन करा.

गिलहरी के एक गुण का वर्णन कीजिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

भन्ते नागसेन, किं लक्खणा सध्दा' ति? सम्पसादनलक्खणा च महाराज, सध्दा सम्पक्खन्दन लक्खणा चा' ति। कथं, भन्ते, सम्पसादम लक्खणा सध्दा' ति? 'सध्दा खो, महाराज, उप्पज्जमाना नीवरणे विक्खम्भेति विनीवरणं चित्तं होति अच्छं विप्पसन्नं अनाविलं। एवं खो, महाराज, सम्पसादन लक्खणा सध्दा ' ति। "ओपम्मं करोही" ति। यथा महाराज, राजा चक्कवत्ती चतुरंगिनिया सेनाय सध्दिं अध्दानमग्गप्पटिपन्नो परित्तं उदकं तरेय्य, तं उदकं हत्थीहि च अस्सेहि च रथेहि च पत्तीहि च खुभितं अवेय्य आविलं लुळीतं कललीभूतं। उत्तिण्णों च राजा चक्कवत्ती मनुस्से आणापेय्य - "पानीयं, भणे, आहरथ, पिविस्सामि' ति।

किंवा / अथवा

भन्ते, नागसेन, वायस्सव्दे अङ्गानि गहेतब्बानि ति यं वदेसि कतमानि तानि व्दे अङ्गानि गहेतब्बानि ति? "यथा महाराज, वायसो आसिङकत परिसिङकतो यत्तप्पयत्तो चरति, एवमेव खो, महाराज योगिना योगावचरेन आसिङकत परिसिङकतेन यत्तप्पयत्तेन उपट्ठिताय सतिया संपुत्तेहि इन्द्रियेहि चरितब्ब। "इदं महाराज, वायसस्स पठम अङग गहेतब्ब।

ब) "पटिसन्धिपञ्हो" सविस्तर लिहा. **6**
"पटिसन्धिपञ्हो" विस्तारपूर्वक लिखिए।

किंवा / अथवा

काकचे दोन गुण कोणते ते सांगून स्पष्ट करा.
काक के दो गुण कौनसे वह बतलाकर स्पष्ट कीजिए।

4. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

सुखं दुक्खं उपेक्खति तिविधा तत्थ वेदना।
सोमनस्स दोमनस्समिति भेदेन पञ्चाधा॥
सुखमेकत्थ दुक्खञ्ञ दोमनस्स व्ददेठितं।
व्दासट्ठिसुं सोमनस्स चञ्चपसंञ्ञासकेतरा॥

किंवा / अथवा

एक व्दारिकचित्तानि पञ्च छ व्दापिकानि च।
छ व्दारिकविमुत्तानि विमुत्तानि च सब्बथा॥
छत्तिसत्ति तथार ताणि एकतिसं यथाकम्मं।
दसधा नवधा चेति पञ्चधा परिदीपये॥

ब) पालि साहित्यात अभिधम्मत्थसङगहो चे महत्त्व व स्थान स्पष्ट करा. **6**
पालि साहित्य में अभिधम्मत्थसङगहो का महत्त्वं और स्थान स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

हेतु संग्रह सविस्तर सांगा.
हेतु संग्रह विस्तार से बताईए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए। **कोई भी दो।**

विसुध्दीमग्गो, अभिधम्मत्थसङगहो, मिलिन्दपञ्हो, आचार्य बुध्दघोष

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) मिलिन्दपञ्हो कुठे येतो.
मिलिन्दपञ्हो कहाँ आता है।
अ) अनुपिटक ब) तिपिटक
क) चरियपिटक ड) अभिधम्मपिटक

2) सील किती प्रकारचे आहे.
सील कितने प्रकार के है।
अ) 02 ब) 03
क) 04 ड) 05

3) अभिधम्मत्थसङगहो ग्रंथ कोणी लिहीला होता.
अभिधम्मत्थसङगहो ग्रंथ किसने लिखा था।

अ) धम्मपाल ब) अश्वघोष
क) बुध्दघोष ड) बुध्ददत्त

4) अन्य समान चौतसिक किती आहेत.
अन्य समान चौतसिक कितने है।

अ) 05 ब) 06
क) 07 ड) 08

5) नागसेनाचा जन्म कुठे झाला.
नागसेन का जन्म कहाँ हुआ।

अ) देवनांगल ब) वज्रनांगल
क) कजंगल ड) नाजंगल

6) सोभनचित्त किती आहेत.
सोभनचित्त कितने है।

अ) 49 ब) 59
क) 69 ड) 79

7) अकूसलचित्त किती आहेत.
अकूसलचित्त कितने है।

अ) 02 ब) 12
क) 22 ड) 32

8) वीर्याचे लक्षण काय आहे.
वीर्य का लक्षण क्या है।

अ) कमी ब) जास्त
क) कमजोर ड) दृढ

9) परमार्थ किती प्रकारचे आहेत.
परमार्थ कितने प्रकार के है।

अ) 03 ब) 04
क) 05 ड) 06

10) राजा मिलिन्दाचा कोणाशी वादविवाद प्रसिध्द आहे.
राजा मिलिन्द का किसके साथ वादविवाद प्रसिध्द है।

अ) राणी ब) भन्ते रोहण
क) भन्ते नागसेन ड) सेनापती

****